5

मिलकर पढ़िए

मिठाई

एक दिन गधे का मन मिठाई खाने का हुआ।

गधे ने अपने मित्रों से कुछ मीठा खाने को माँगा।

© NCERT not to be republished

भालू ने कहा, “शहद खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

खरगोश ने कहा, “गाजर खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

चींटे ने कहा, “गुड़ खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

© NCERT not to be republished

हाथी ने कहा, “गन्ना खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

गिलहरी ने कहा, “आम खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

बिल्ली बोली, “हलवाई की दुकान पर चलो।” गधे को यह बात पसंद आ गई।

© NCERT not to be republished

तब सब साथ-साथ मिठाई खाने के लिए चल पड़े।

साभार – बरखा क्रमिक पुस्तकमाला,
एन.सी.ई.आर.टी.

1. किसे खाने में क्या पसंद है? रेखा खींचकर मिलाइए –

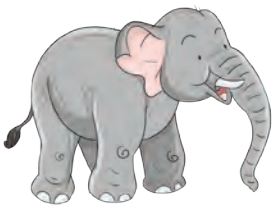

2. नीचे दी हुई वस्तुओं को पहचानकर उनके नाम बताइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

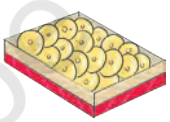
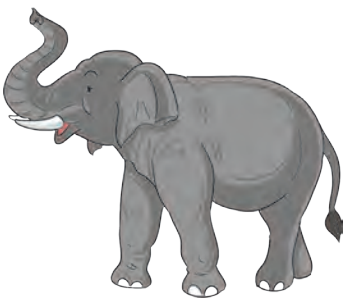

गधा मिठाई हाथी

3. इस कहानी में कौन-कौन से जानवर हैं? किन्हीं तीन जानवरों के नाम लिखिए –

....

शिक्षण-संकेत – 'मिठाई' कहानी में आए हुए शब्दों एवं अन्य शब्दों की सहायता से बच्चों को 'ग', 'ह', 'ठ', 'ध' की ध्वनि और आकृति की पहचान कराएँ।

© NCERT not to be republished

3. सही या गलत? वाक्यों के सामने ✓ का चिह्न लगाकर बताइए –

(i) गधे ने बिल्ली की बात मान ली। सही / गलत

(ii) खरगोश ने आम खाने को कहा। सही / गलत

(iii) हाथी ने कुछ नहीं कहा। सही / गलत

(iv) सभी ने गधे की सहायता करने का प्रयत्न किया। सही / गलत

शब्दों का खेल

नीचे दी गई कविताओं को पढ़िए –

ईख खेत में बोली,
अपने पास वाली ईख से;
मेरे ऊपर क्यों गिरती हो,
खड़ी रहो ना ठीक से!

– *प्रभात*

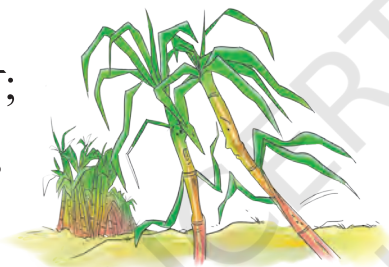

इमली की डाल पर,
बैठी थी चिड़िया;
खा रही थी इमली,
देख रही थी मुनिया।

खोजें-जानें

अपने घर के आस-पास अपने परिवार के लोगों के साथ घूमिए। छोटे-छोटे कीड़ों, मकोड़ों, जानवरों को देखिए। वे क्या करते हैं, क्या खाते हैं, कितने अलग-अलग रंग के हैं आदि विशेषताओं पर ध्यान दीजिए। घर आकर इनके चित्र बनाइए और कुछ शब्द भी लिखना चाहें, तो अवश्य लिखिए। अगले दिन कक्षा में सभी के साथ साझा कीजिए।

शिक्षण-संकेत – बच्चों से कहानी और कविताओं में आए शब्दों— 'मिठाई', 'ईख', 'इमली', 'गिलहरी', 'बिल्ली', 'चींटा', 'मीठा' आदि की सहायता से 'इ' और 'ई' की ध्वनियों और आकृतियों एवं उनकी मात्राओं (ि) एवं (ी) की पहचान करवाएँ।

© NCERT not to be republished

६

मिलकर पढ़िए

तीन साथी

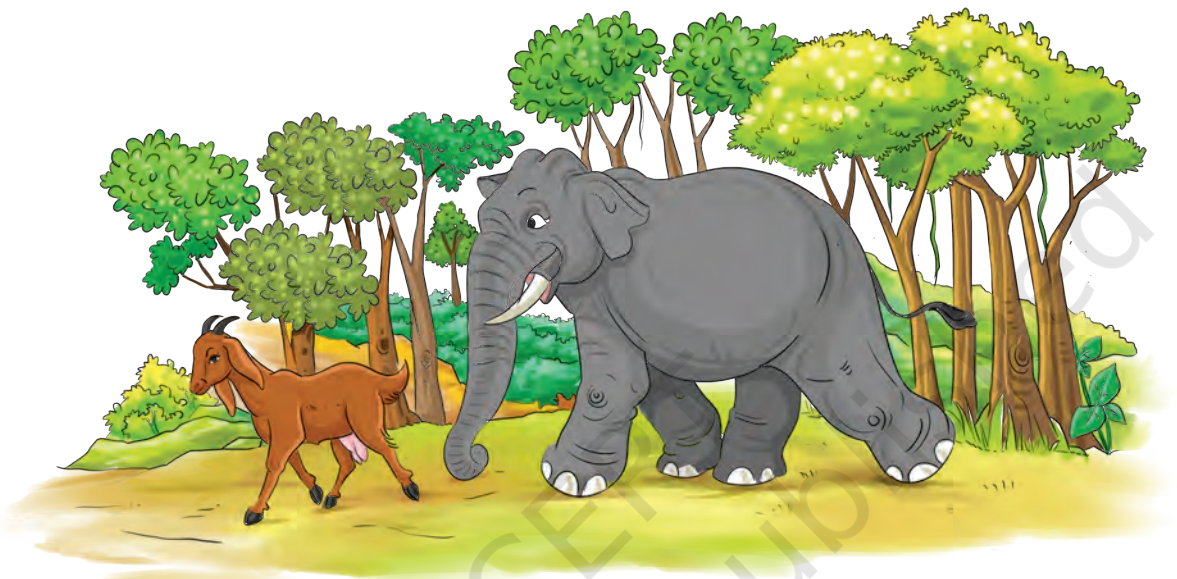

एक था हाथी। एक थी बकरी। दोनों साथ-साथ जंगल में जाते।

हाथी डाली झुकाता और बकरी पत्ते खाती। एक दिन दोनों जंगल में गए।

© NCERT not to be republished

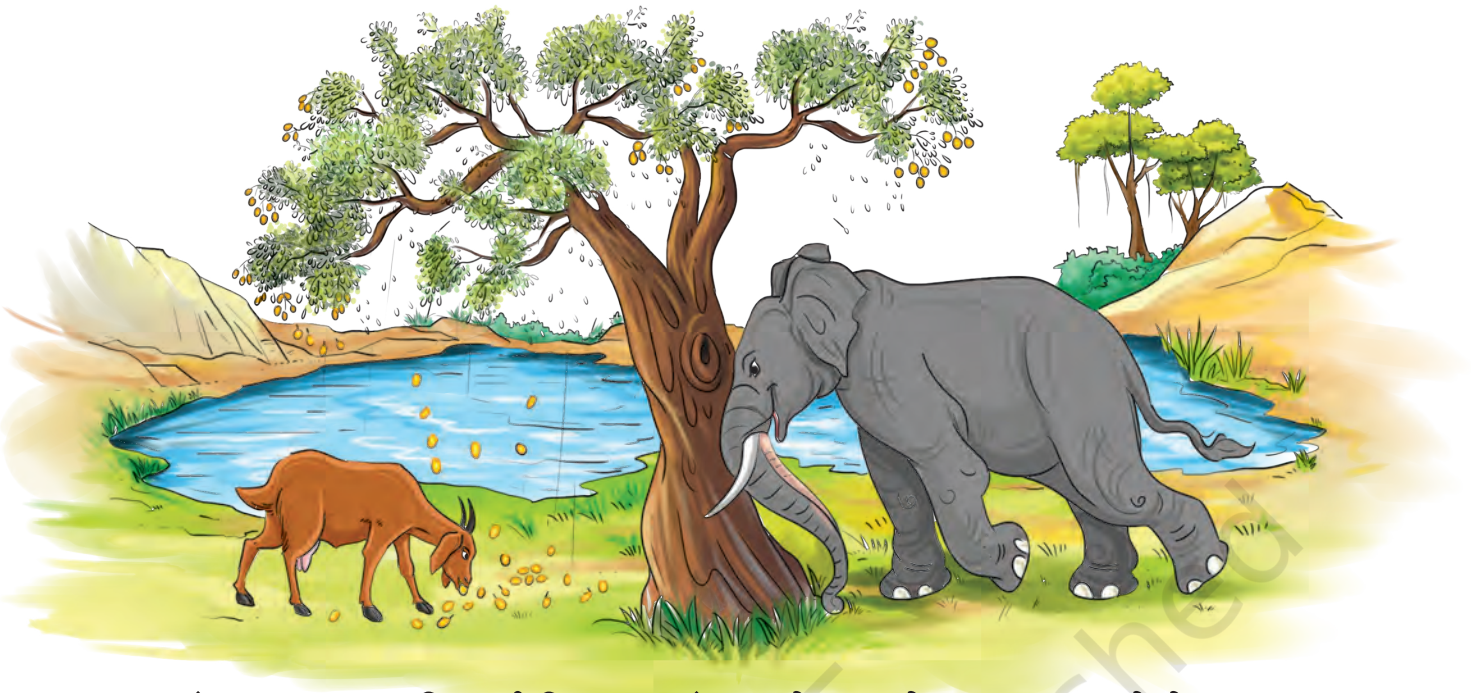

वहाँ एक तालाब दिखाई दिया। वहाँ एक बेर का पेड़ था। हाथी ने पेड़ हिलाया। बकरी बेर खाने लगी।

तभी पेड़ से चिड़िया का बच्चा पानी में गिरा। बकरी उसे बचाने गई तो वह भी डूबने लगी।

© NCERT not to be republished

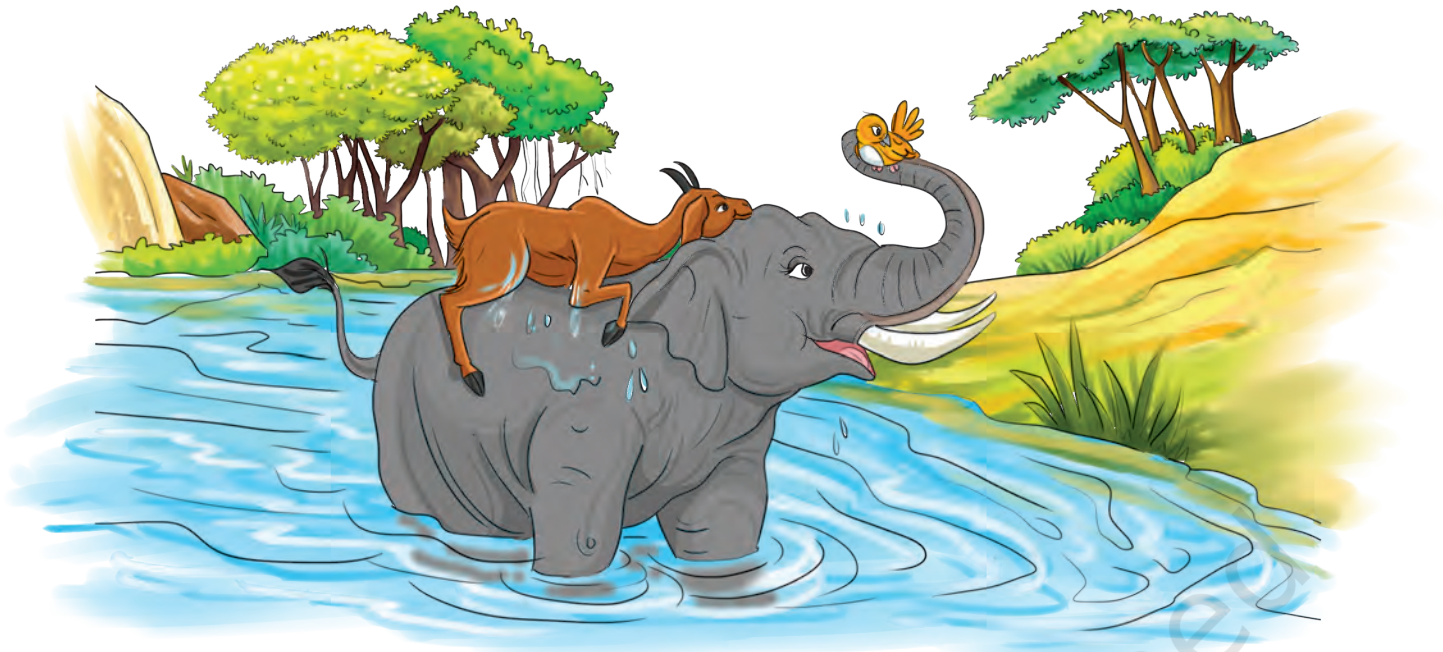

हाथी ने दोनों को बाहर निकाला। कुछ दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया।

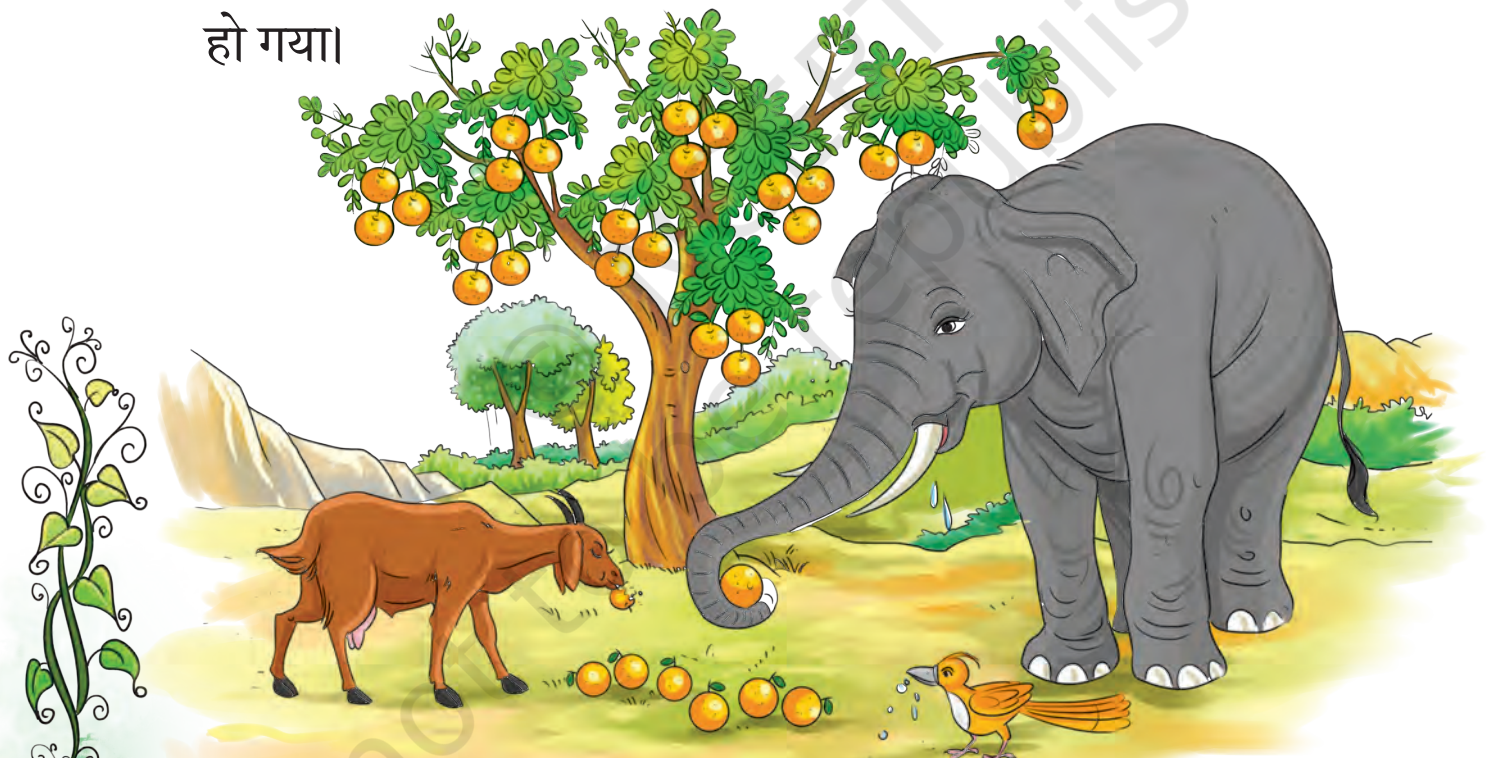

चिड़िया पता लगाती कि कहाँ-कहाँ फल लगे हैं। तीनों वहाँ जाते और खूब फल खाते। अब तीन साथी साथ रहते।

साभार – एकलव्य

बातचीत के लिए

1. तालाब के पास किसका पेड़ था?
2. हाथी ने बेर का पेड़ क्यों हिलाया?
3. किसी ऐसी घटना के विषय में बताइए जब आपने किसी की सहायता की हो।

क्या होता अगर...

1. चिड़िया का बच्चा तालाब में न गिरता।
2. हाथी तालाब के पास न होता।

चित्र में कितने हाथी?

कहाँ छुपे हैं सारे हाथी, आओ खोजें मिलकर साथी।

© NCERT not to be republished

पहले क्या हुआ?

कहानी में जो-जो हुआ, उन्हें क्रम से अंक दीजिए –

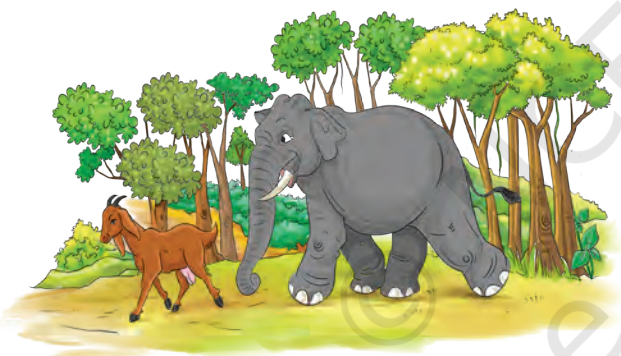

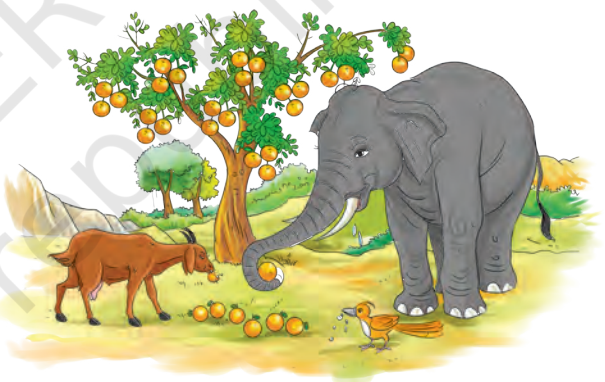

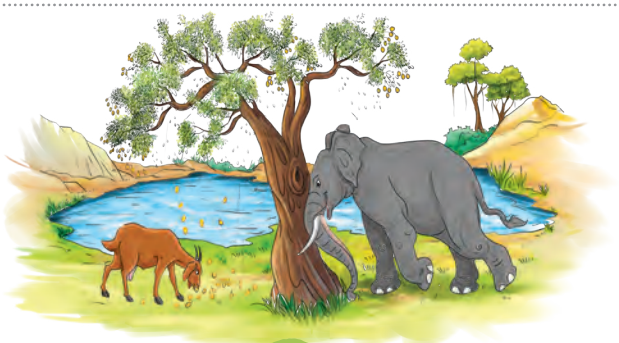

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

1. कहानी में आए तीन साथियों के नाम बताइए।

2. अपने शिक्षक की सहायता से शब्द पढ़िए और बताइए कि इनमें कौन-कौन सी ध्वनियाँ हैं –

बकरी

चिड़िया

हाथी

3. नीचे दिए गए शब्दों में 'ई' की मात्रा (ी) लगाइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

बकर.....

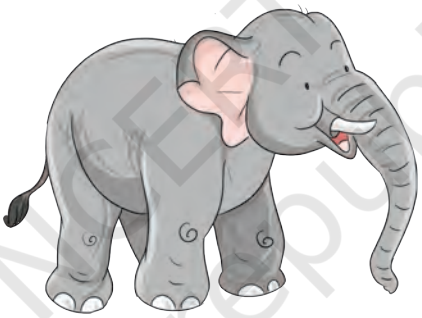
हाथ.....

चींट.....

4. नीचे दिए गए शब्दों में 'इ' की मात्रा (ि) लगाइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

.....ततली

.....गलहरी

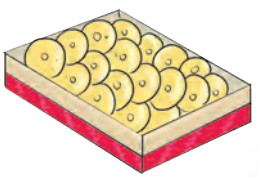
.....मठाई

शिक्षण-संकेत – 'मिठाई' और 'तीन साथी' कहानी में आए शब्दों एवं अन्य शब्दों की सहायता से 'ब', 'च', 'थ' ध्वनियों और उनकी आकृतियों की पहचान करवाएँ। मात्राएँ लिखने में बच्चों की सहायता करें।

© NCERT not to be republished

चित्र और बातचीत

मछली

शिक्षण-संकेत – बच्चों को चित्र में दी गई चीज़ों की पहचान करने और उनके बारे में बात करने का पर्याप्त समय एवं अवसर दें। अंदर-बाहर, छोटा-बड़ा आदि पूर्व-संख्या अवधारणाओं का अभ्यास कराएँ।

© NCERT not to be republished

झटपट कहिए

कुछ ऊँट ऊँचा,
कुछ पूँछ ऊँची;
कुछ ऊँचे ऊँट की,
पीठ ऊँची।

साभार – रिमझिम-2, एन.सी.ई.आर.टी.

आप भी अपने घर में परिवार के लोगों से ऐसी ही झटपट कविता के विषय में जानिए और मित्रों के साथ मिलकर झटपट बोलिए।

आओ कुछ बनाएँ

अंगूठे की छाप से आप भी अपनी पसंद के चित्र बनाइए और उनके नाम लिखिए –

© NCERT not to be republished

दिए गए चित्रों को पूरा कीजिए और नाम लिखिए –

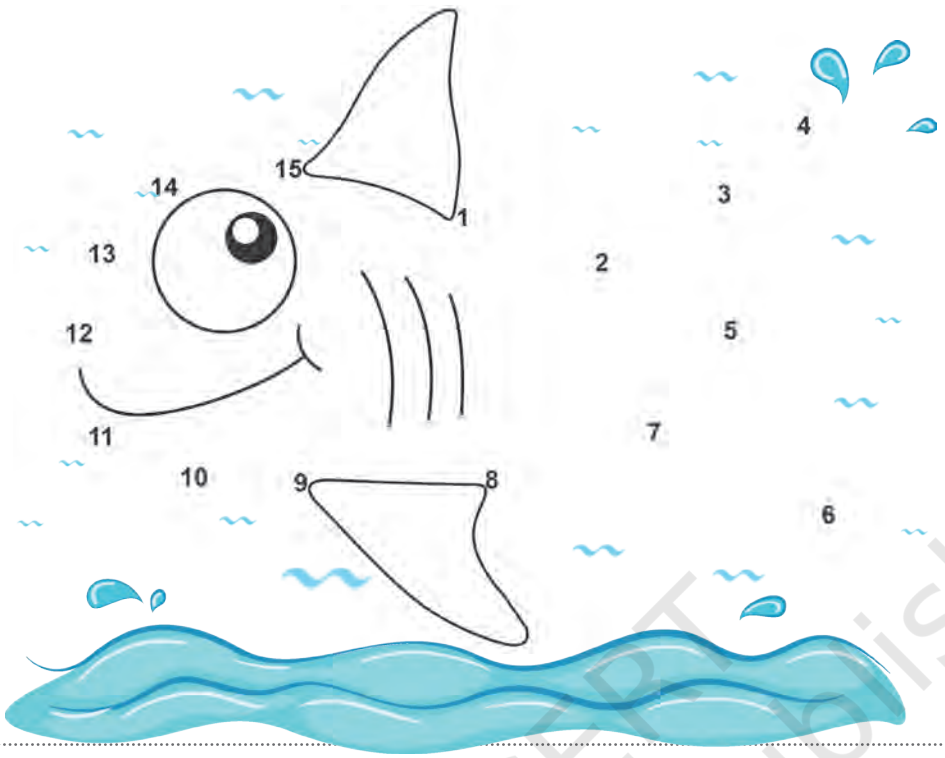

मछली

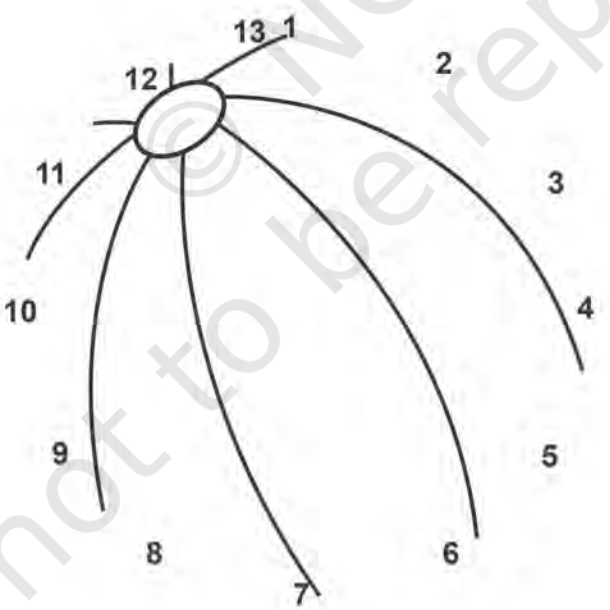

मोर

© NCERT not to be republished

7

आनंदमयी कविता

वाह, मेरे घोड़े!

एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
वाह, मेरे घोड़े क्या तेरी चाल!

एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
भाग मेरे घोड़े, चल नैनीताल!

© NCERT not to be republished

एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
ले मेरे घोड़े चने की दाल!

एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
खाकर दिखा फिर अपना कमाल!

– रमेश तैलंग

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों को ध्यान से सुनिए। इन शब्दों की पहली और अंतिम ध्वनि पहचानिए –

ताल चाल दाल कमाल

ऐसे शब्द लिखिए जिनकी अंतिम ध्वनि इन शब्दों (ताल, चाल, दाल, कमाल) जैसी हो –

....

2. 'त', 'घ' 'ड़' की ध्वनि वाले शब्दों को पहचानिए और लिखिए –

घोड़ा ताला पेड़ डाल दाल
तोता घर धागा सड़क

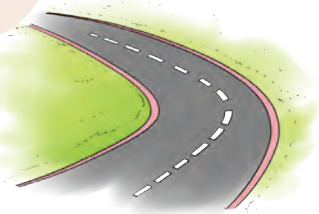

....

....

शिक्षण-संकेत – कविता में आए हुए शब्दों एवं अन्य शब्दों की सहायता से बच्चों को 'त', 'घ', 'ड़' ध्वनियों और उनकी आकृतियों से परिचित कराएँ।

© NCERT not to be republished

8

सुनें कहानी

खतरे में साँप

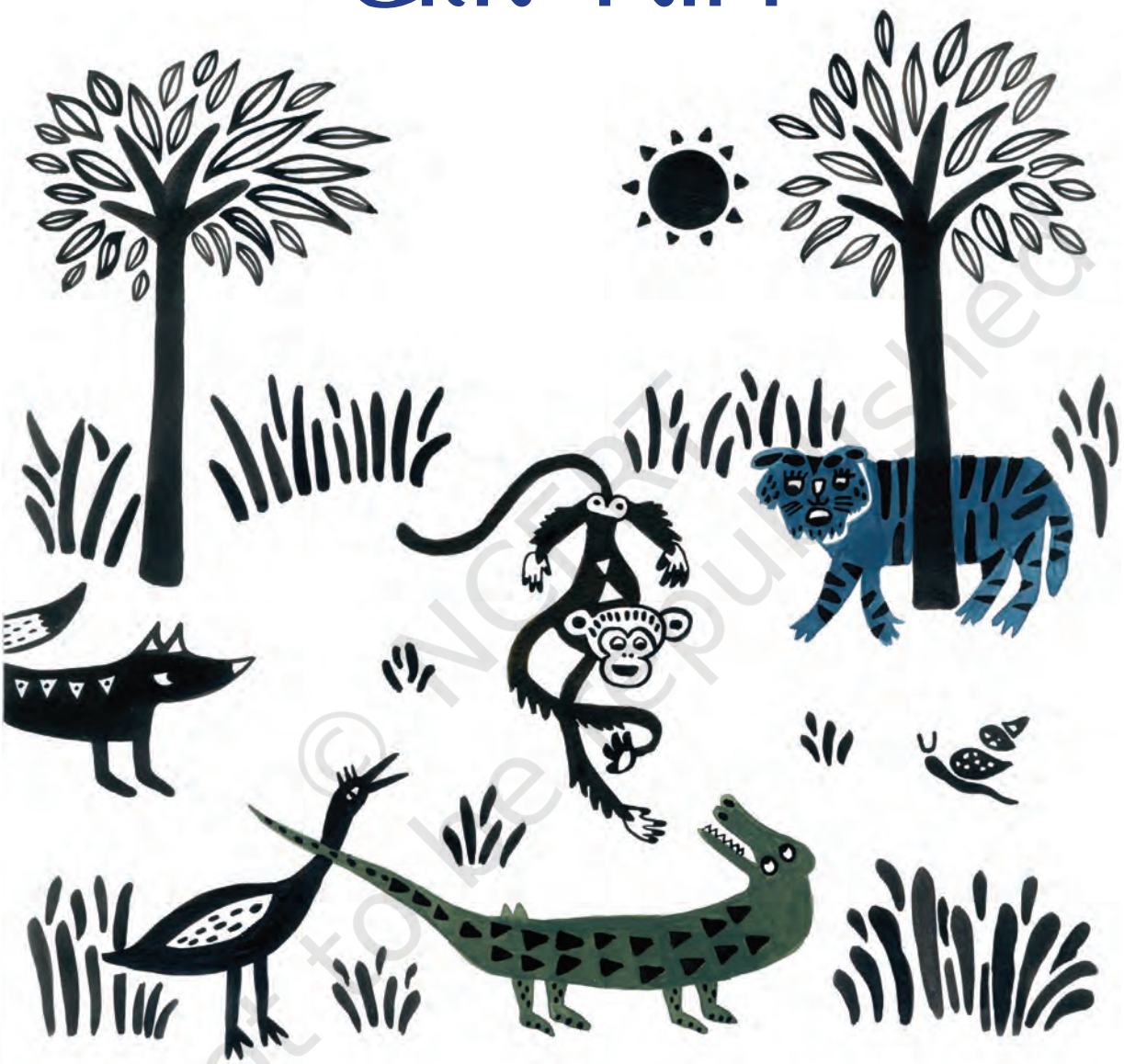

सारे जानवर इकट्ठे हुए थे। बात चल रही थी कि खतरे में अपनी जान कैसे बचाएँ? देर तक बहस चली। अंत में सबको बंदर की सलाह ठीक लगी। बंदर की सलाह थी कि खतरे के समय 'सिर पर पैर रखकर भागना' सबसे अच्छा है।

बातचीत समाप्त हुई और सारे जानवर अपने-अपने ठिकाने चले गए।
सिर्फ़ साँप एक-दूसरे का मुँह ताकते देर तक वहीं बैठे रहे।

– चंदन यादव

बातचीत के लिए

1. साँप वहीं क्यों बैठे रह गए?
2. आप साँप को क्या सलाह देंगे?
3. 'सिर पर पैर रखकर भागने' का क्या अर्थ है?

रंग भरिए

बिना रंग-भरे चित्र में दिए गए चित्र जैसा रंग भरिए –

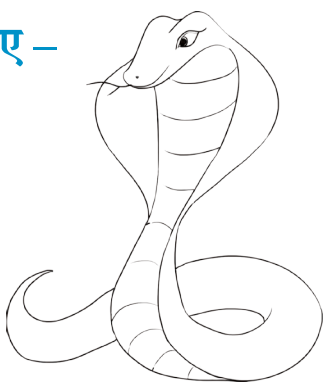

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ 'सिर पर पैर रखकर भागना' मुहावरे के अर्थ के विषय में चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि क्या वे कभी सिर पर पैर रखकर भागे हैं? क्यों और कब? कौन-कौन से कीड़े हैं, जो साँप की तरह वहीं बैठे रहेंगे?

© NCERT not to be republished

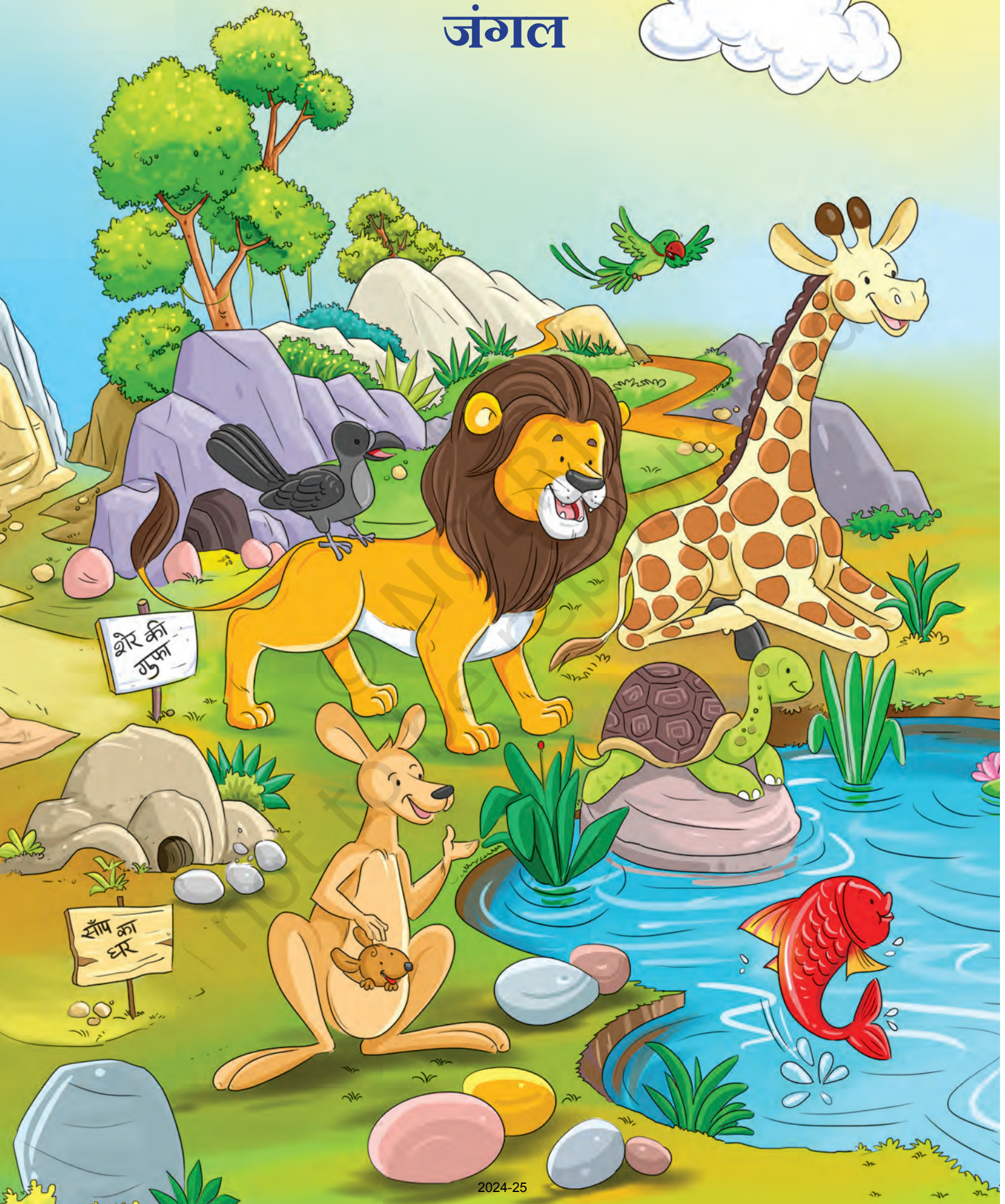

चित्र और बातचीत

जंगल

शिक्षण-संकेत – चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? कौन-कौन से जानवर हैं? कौन, क्या कर रहा है? आपने इनमें से कौन-कौन से जानवर देखे हैं? कहाँ देखे? आदि। चर्चा में जानवरों के रहने के स्थान, पालतू एवं जंगली जानवरों आदि पर बात की जा सकती है। शिक्षक बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बातें कहने के पर्याप्त अवसर दें।

आनंदमयी कविता

कबरी झबरी बकरी

बकरी कबरी, बकरी झबरी
कबरी झबरी बकरी;
आगे निकली कबरी बकरी,
पीछे रह गई झबरी।
आगे-आगे कबरी बकरी,
पीछ-पीछे झबरी;
साथ चली थीं,
हो गईं आगे-पीछे
कबरी झबरी बकरी

– प्रभात

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ कबरी और झबरी बकरियों के रूप-रंग के बारे में बातचीत कीजिए। 'झबरा', 'कबरा', 'बकरा' आदि शब्दों से तुकबंदी करते हुए बच्चों से नई कविता की रचना करवाएँ।

© NCERT not to be republished

आओ कुछ बनाएँ

शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों को ध्यान से सुनिए और बनाइए –

(क)

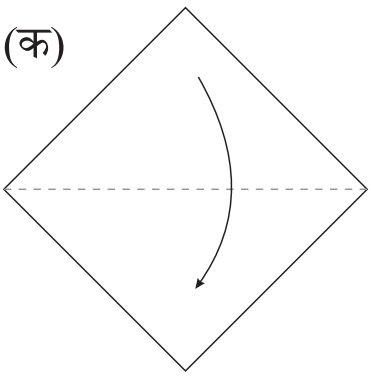

(ख)

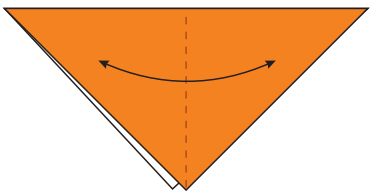

(ग)

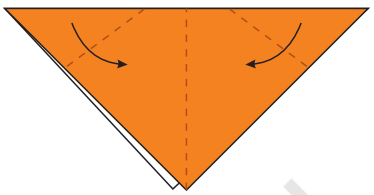

(घ)

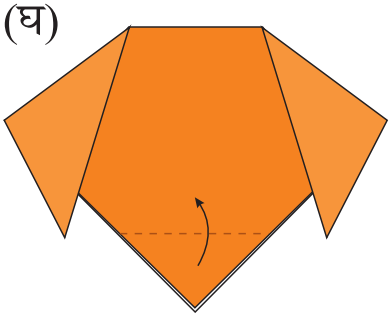

(ङ)

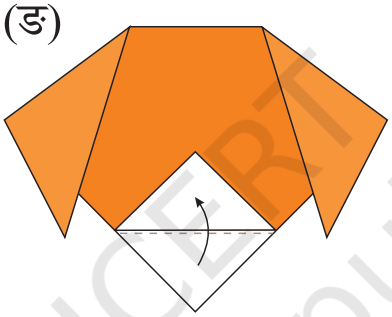

(च)

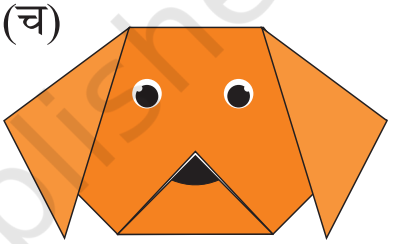

1. एक चौकोर कागज़ लें और उसे चित्र में दिखाए अनुसार टूटी रेखा पर मोड़ें।
2. आपको एक तिकोना कागज़ मिलेगा, उसे चित्र के अनुसार टूटी रेखा पर दो छोटे तिकोनों में मोड़ें, इससे दो कान जैसे बन जाएँगे।
3. नीचे वाले तिकोने को ऊपर की ओर थोड़ा-सा मोड़ लें, इससे कुत्ते का मुँह बनेगा।
4. इस कुत्ते के चेहरे पर कलम या रंग से आँखें और मुँह बना दें। कुत्ते का चेहरा तैयार है!

शिक्षण-संकेत – शिक्षक एक-एक करके बच्चों को निर्देश दें। इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे अपनी गति से काम करेंगे। बच्चों को अपनी गति से काम करने की स्वतंत्रता प्रदान करें।

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

आओ 'र' पहचानें

देखिए और बोलिए 'र' से क्या-क्या शब्द हैं –

रमा

रोटी

र

रानी

रेल

रसगुल्ला

रस्सी

यहाँ कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, इनमें से 'र' को खोजिए और घेरा लगाइए –

गिलहरी बकरी रिमझिम गिरगिट खरगोश

दिए गए अक्षरों को जोड़कर अपने शब्द बनाइए –

घ	ड़ा	हा	ता
दी	ला	थी	ली
मि	ठा	ई	दी
गा	ड़ी	धा	ना

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

कहानी सुनाइए

नीचे कुछ शब्द और चित्र दिए गए हैं। इनकी सहायता से कोई कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए –

खरगोश

भालू

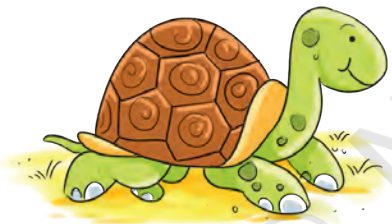

कछुआ

चिड़िया

बंदर

दौड़ना

© NCERT not to be republished